२. क्षेत्र : वस्त्र

२.१ वस्त्र निर्माण

- **पूनी की सहायता से तकली पर सूत कातना**

सामग्री : सूत कातने के लिए कपास की पूनी, तकली, गत्ते का छोटा टुकड़ा, थोड़ी महीन रंगोली, बैठने हेतु आसन आदि ।

कृतिक्रम :

(१) जहाँ पर्याप्त उजाला हो, सामने से हवा न आती हो और जहाँ बैठने पर आँखों पर उजाले की चमक न आए; ऐसी जगह आसन बिछाओ । आसन पर सुखासन में बैठो । (सुखासन से तात्पर्य है सहज होकर आराम से बैठना ।)

(२) एक हाथ में तकली पकड़कर और गत्ते पर रखकर धीरे – धीरे से उसे घुमाओ। यह करते समय उँगली पर थोड़ी रंगोली मलो ताकि तकली उँगलियों से फिसले नहीं ।

(३) तकली गत्ते पर रखकर सीधे घुमाने का अभ्यास करो । जल्दबाजी न करते अगली कृति करो । तकली नीचे रखकर एक हाथ में पूनी लेकर उसके निचले सिरे से कपास का थोड़ा भाग लेकर आहिस्ता से खींचो। अब उससे लंबा धागा निकालो । उसे थोड़ी ऐंठन दो ।

(४) धागा दोनों हाथों में पकड़कर चकती की ऊपरी डंडी में लपेटो । २० से २५ सें.मी. धागा बाकी रखो । बचाकर रखा धागा डंडी में ऊपर तक लपेटकर तकली की अनी में अटका दो ।

(५) धागे से जुड़ी हुई पूनी एक हाथ में पकड़कर दूसरे हाथ से तकली को आहिस्ता से घुमाओ । तकली घुमाते समय पूनीवाले हाथ को सावधानीपूर्वक ऊपर उठाते हुए पूनी से अखंड धागा निकालते चलो ।

(६) पर्याप्त लंबाई का धागा तैयार हो जाने पर उसे थोड़ी ऐंठन देकर चकती के पास लपेटकर रखो ।

(७) उपरोक्त कृति का अभ्यास करने पर तकली को उचित गति दी जा सकती है तथा पूनी पर नियंत्रण रखकर उचित परिमाण में धागा निकाला जा सकता है । इसी प्रकार टूटा हुआ धागा भी जोड़ा जा सकता है । इन कृतियों को एक के पीछे एक करते जाने को ही सूत कातना कहते हैं।

- सूत कताई का प्रात्यक्षिक दिखाकर सूत कताई की जानकारी दें । संभव हो तो नजदीक के किसी सूत कताई केंद्र की सैर का आयोजन करें ।

२.२ प्राथमिक सिलाई कार्य

- **चौकोर रूमाल काटकर उसे चारों ओर से मोड़कर पट्टी लगाना अथवा हेम सिलाई करना ।**

सामग्री एवं साधन :

२५ सें.मी. × २५ सें.मी. कपड़े का टुकड़ा, सुई-धागा आदि ।

कृतिक्रम :

(१) कपड़े की ०.५ सें.मी. नाप की चारों भुजाएँ दो बार मोड़ लो । मुड़ी हुई तहों पर तुरपई कर लो ।

(२) कपड़े के रंग का धागा सुई में पिरो लो ।

(३) कपड़े को तुरपई करते समय सुई नीचे से ऊपर की ओर निकालो । रूमाल का निचला भाग व तह को ०.५ सें.मी. पर एक साथ कर टाँके लगाओ ।

(४) हेम टाँके लग जाने पर तुरपई के टाँके निकाल लो ।

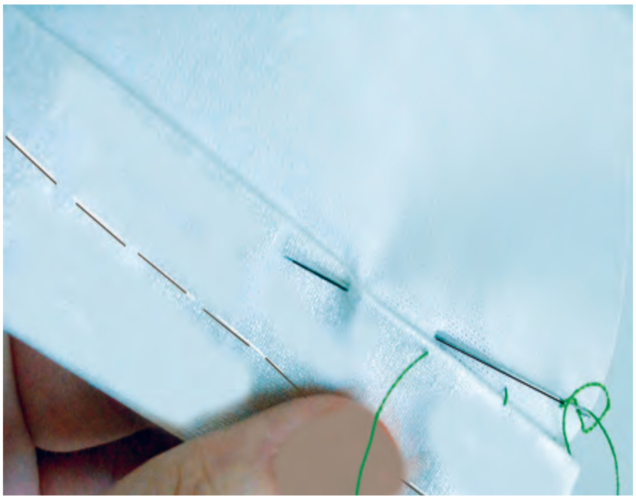

मेरी कृति :

(१) घर के अलग-अलग कपड़ों का निरीक्षण करो । तुरपई कहाँ- कहाँ की गई है; यह देखो ।

(२) तुरपई का अभ्यास करो ।

(३) सुई हाथ में न चुभे; इसके लिए कौन-सी सावधानी बरतोगे ?

◆ हेम सिलाई का अभ्यास कराएँ । हेम सिलाई कहाँ की जाती है; इसकी जानकारी दें ।

२.३ गुड़िया काम

(अ) पैर मोजे से गुड़िया बनाना

सामग्री एवं साधन :

काले रंग का मोजा, मोटा कागज, कैंची, स्केच पेन, रंग, रंगीन टिकुलियाँ, रंगीन कागज, पत्रिकाएँ / समाचारपत्र के चित्र आदि ।

कृतिक्रम :

(१) मोटे कागज का एक गोल आकार काट लो । उस गोल आकार पर अपनी पसंद के अनुसार चेहरा बना लो या उस आकार के चेहरे का चित्र हो तो ; वह लो ।

(२) मोजे में हाथ डालकर अँगूठा और कनिष्ठा के निचले हिस्से में मोजे में छेद कर लो ।

(३) इस छेद से अँगूठा और कनिष्ठा मोजे से बाहर निकालो । मोजे में स्थित तीन उँगलियों पर चित्र (बनाए हुए) चिपका लो ।

(४) चेहरे के नीचे चेहरे को अच्छा लगे /शोभा दे ऐसा रंगीन कागज का पहनावा तैयार करके चिपका दो।

मेरी कृति : मोजे का उपयोग करके प्राणी या पक्षी बनाओ ।

◆ तैयार की गई गुड़ियों का अध्यापन में उपयोग करें ।

(ब) माचिस से गुड़िया का चेहरा बनाना

- **गुड़िया का चेहरा बनाना**

सामग्री एवं साधन : माचिस की खाली डिब्बी, सफेद कागज, रंगीन कागज, स्केच पेन, गोंद, आईस्क्रीम की तीली, कैंची आदि ।

कृतिक्रम :

(१) खाली माचिस लो । उसके ऊपरी भाग पर गुड़िया का फ्रॉक बनाओ ।

(२) माचिस के आकार के अनुसार गुड़िया के चेहरे जैसा चित्र मासिक पत्रिका से लो, चित्र न मिलने पर नीचे दिखाए अनुसार चेहरा बनाकर मोटे कागज पर चिपकाओ ।

(३) खाली माचिस के भीतरी सपाट पृष्ठभाग पर गुड़िया का चेहरा आधे हिस्से तक चिपका लो ।

(४) इस सपाट भाग में आकृति में दिखाए अनुसार छेद करके आइस्क्रीम की सींक छेद करके डाल लो । इससे गुड़िया का चेहरा ऊपर-नीचे करना संभव होगा । अपनी पसंद के अनुसार सजावट कर लो ।

मेरी कृति : विविध चित्रों तथा कागजी खोखों का उपयोग करके गुड़ियाँ बनाओ ।

- कागजी खोखों का संग्रह करके विविध गुड़ियाँ बनवा लें । गुड़ियों का उपयोग विविध खेलों के प्रात्यक्षिक दिखाने अथवा कहानी सुनाने के लिए करें ।

२.४ नारियल की जटाओं का बुनाई कार्य

- **नारियल की जटाओं से निर्मित गृहोपयोगी वस्तुएँ**

रोजमर्रा के उपयोग में नारियल की जटाओं से निर्मित अनेक वस्तुएँ दिखाई देती हैं । जैसे – रस्सी, थैली, तकिया, गद्दी, पाँवड़ा, मोटी रस्सी, छींका, गुलेल आदि ।

निम्न चित्रों का निरीक्षण करके उनमें बनाई गईं नारियल जटाओं की वस्तुएँ पहचानो और बताओ कि उनका उपयोग किसलिए किया गया है ।

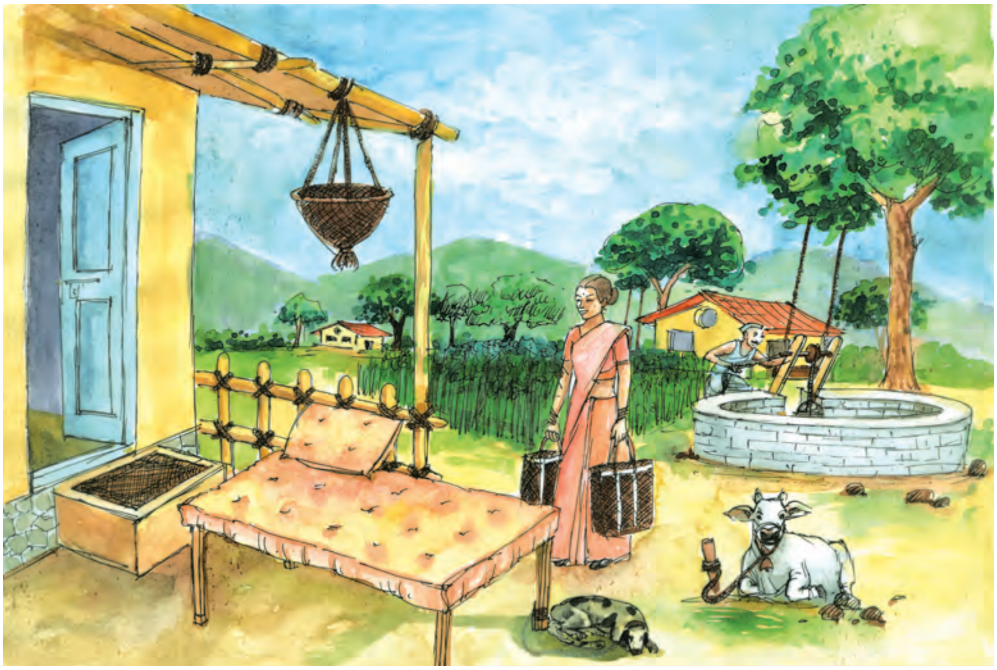

पिन कुशन

सामग्री साधन : नारियल की खराब हुईं जटाएँ, प्लास्टिक की डिब्बी, रंगीन कपड़ा, गोंद, रंगीन लेस, सुई–धागा आदि ।

कृतिक्रम :

(१) नारियल की खराब जटाओं को हाथ में मजबूती से दबाकर उसकी गेंद (गोलाकार) बनाओ । उसे रंगीन कपड़े में कसकर बिठाते हुए कपड़े के सिरों को पक्का बाँध लो या सिल दो ।

(२) बाँधे या सिले हुए दोनों सिरों को गोंद लगाकर चिपका दो तथा डिब्बी में दबाकर मजबूती से रख दो। डिब्बी को रंगीन लेस चिपकाकर सुशोभित करो ।

(३) पिन कुशन तैयार हो जाने पर उसमें टाचनियाँ आलपीनें खोंसकर उपयोग में लाओ ।

मेरी कृति : घर या परिसर में उपयोग में लाई जाने वाली नारियल की जटाओं से बनी वस्तुओं की सूची बनाओ ।

- समीपस्थ नारियल के जटा केंद्र अथवा नारियल की जटाओं से बनी वस्तुओं की प्रदर्शनी की सैर का आयोजन करें ।